Literacy for a Billion

Movie: Prem Rog
Year: 1982

Song: Main Hoon Prem Rogi
Lyricist: Shantosh Anand

अरे कुछ नहीं कुछ नहीं
अरे कुछ नहीं कुछ नहीं
फिर कुछ नहीं है भाता
जब रोग ये लग जाता
मैं हूँ प्रेम रोगी
हां मैं हूँ प्रेम रोगी
मेरी दवा तो कराओ
मैं हूँ प्रेम रोगी
मेरी दवा तो कराओ
जाओ जाओ जाओ
किसी वैद को बुलाओ
मैं हूँ प्रेम रोगी
फिर कुछ नहीं है भाता
जब रोग ये लग जाता
मैं हूँ प्रेम रोगी
मेरी दवा तो कराओ
मैं हूँ प्रेम रोगी

सोच रहा हूँ जग क्या होता
सोच रहा हूँ जग क्या होता
इसमें अगर ये प्यार ना होता
मौसम का एहसास ना होता
गुल गुलशन गुलज़ार ना होता
होने को कुछ भी होता पर
होने को कुछ भी होता पर
ये सुंदर संसार ना होता
मेरे इन ख़यालों में
मेरे इन ख़यालों में
तुम भी डूब जाओ
मेरे इन ख़यालों में
तुम भी डूब जाओ
जाओ जाओ जाओ
किसी वैद को बुलाओ
मैं हूँ प्रेम रोगी

यारों हैं वो किस्मतवाला
प्रेम रोग जिसे लग जाता है
सुख-दुख का उसे होश नहीं है
अपनी लौ में रम जाता है
हर पल खुद ही खुद हसता है
हर पल खुद ही खुद रोता है
ये रोग लाइलाज़ सही
फिर भी कुछ कराओ
ओ जाओ जाओ जाओ
अरे जाओ जाओ जाओ
किसी वैद को बुलाओ
मेरा इलाज़ कराओ
और नहीं कोई तो
मेरे यार को बुलाओ
ओ जाओ जाओ जाओ
मेरे दिलदार को बुलाओ
मैं हूँ प्रेम रोगी
मेरी दवा तो कराओ
मैं हूँ प्रेम रोगी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.